(G4)

Q. 17(a) → भारत को भौतिक प्रदेशों में विभाजित कीजिए तथा प्रमुख प्रदेशो का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

Ans → भारत में लगभग सभी प्रकार के भौगोलिक उच्चावच पाये जाते हैं, इसका कारण भारत का वृहद विस्तार व तटीय अवस्थिति है। भारत के लगभग 10.5% क्षेत्र पर पर्वत, 18.5% पर पहाड़ियाँ, 28% क्षेत्र पर पठार और 43% क्षेत्र पर मैदान है।

ध्यातव्य हैं, कि किसी स्थान की भू-आकृति उसकी संरचना, प्रक्रिया और विकास की अवस्था का परिणाम हैं। चूँकि भारत एक विविधताओं से भरा देश है तथापि भारत में धरातलीय विभिन्नताएँ बहुत महत्वपूर्ण हैं, इसके उत्तर में एक बड़े क्षेत्र में उबड़ खाबड़ स्थलाकृति हैं; जिसमें हिमालय पर्वत श्रृंखलाएँ हैं, जिसमें अनेक चोटियाँ सुन्दर घाटियाँ या महाखड्ड हैं, दक्षिण में एक स्थिर तथा कटा-फटा पठार है, जहाँ अपरदित चट्टान खड्ड और कगारों की भरमार हैं। इन दोनों के बीच उत्तरी विशाल मैदान स्थित है।

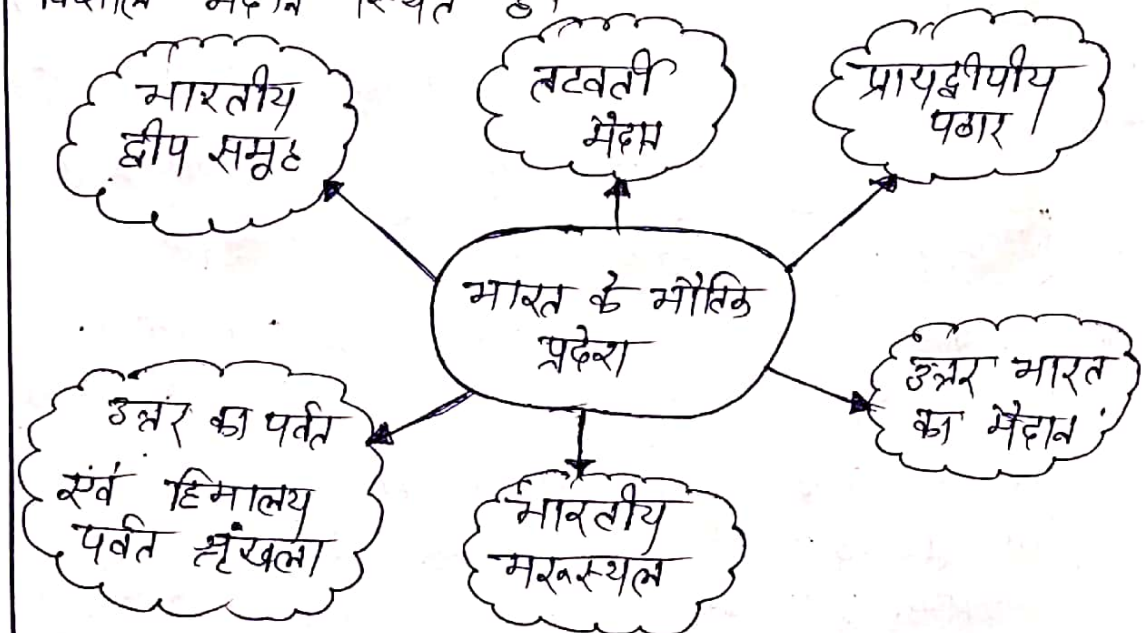

Scanned with CamScanner

भारत को निम्नलिखित भौतिक प्रदेशों में विभाजित कर सकते हैं। →

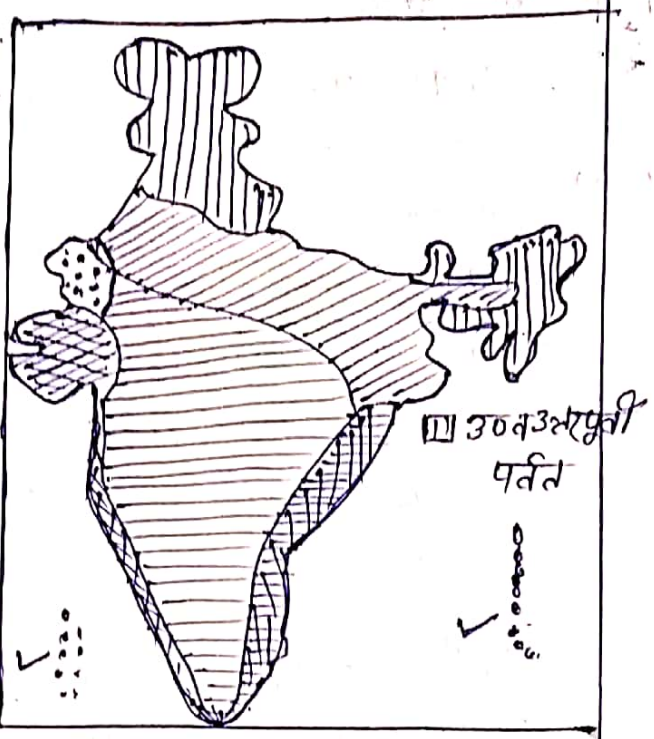

* उत्तरी मैदान :-

- हिमालय पर्वत के दक्षिण में सिंधु, गंगा तथा ब्रम्हपुत्र जैसी नदियों की निक्षेप क्रिया द्वारा निर्मित एक विशाल मैदान स्थित है, जिसे उत्तरी भारत का विशाल मैदान कहते हैं। सिंधु, गंगा तथा ब्रम्हपुत्र नदियों द्वारा निर्मित होने के कारण इसे 'सिंधु गँगा ब्रम्हपुत्र का मैदान' भी कहते हैं। यह 2400 Km लंबा तथा 240 से 320 Km में विस्तृत है।

यह मैदान उत्तर में हिमालय और दक्षिण में भारतीय विशाल पठार से बहा कर लाई गई मिट्टी से बना है। यह 'कृषिगत कार्यों की दृष्टि से अत्यधिक उपजाऊ है, यह तीन-4 भागों में विभाजित है।

① पंजाब-हरियाणा मैदान :-

- यह एक चौरस मैदान है, जो 1.75 लाख वर्ग Km क्षेत्र में फैला हुआ है,
- उत्तर से दक्षिण दिशा में इसकी लंबाई 640 Km तथा पूर्व से पश्चिम दिशा में इसकी चौड़ाई 800 Km है,

Scanned with CamScanner

• राजनैतिक दृष्टि से इसका विस्तार पंजाब, हरियाणा तथा दिल्ली में है।

• वस्तुतः सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब तथा झेलम नामक पाँच नदियों द्वारा बने हुए मैदान को पंजाब का मैदान कहते हैं।

• यह दोआबों का बना हुआ मैदान है। दो नदियों के बीच के क्षेत्र को 'दोआब' कहते हैं।

• इस मैदान के पाँच दोआब निम्नलिखित है:

(i) व्यास एवं सतलुज के बीच का बिस्त-जालंधर दोआब
(ii) व्यास एवं रावी के बीच का बारी दोआब।
(iii) रावी एवं चिनाब के बीच का रेचना दोआब
(iv) चिनाब एवं झेलम के बीच का चाज दोआब
(v) झेलम-चिनाब एवं सिंधु के बीच का सिंध सागर दोआब।

2. गंगा का मैदान :- गंगा का मैदान उत्तर प्रदेश, बिहार तथा पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश में विस्तृत है।

• गंगा का डेल्टा विश्व में सबसे बड़ा डेल्टा है।

• गंगा का डेल्टाई भाग प० बंगाल तथा बांग्लादेश में विस्तृत है।

• यह मैदान हिमालय से निकलने वाली गंगा तथा इसकी सहायक नदियों - यमुना, गोमती, घाघरा गंडक तथा कोसी की निक्षेप क्रिया द्वारा बनाया गया है।

• गंगा के मैदान को निम्नलिखित तीन भागों में बाँटा जाता है :-

(i) ऊपरी गंगा का मैदान
(ii) मध्य गंगा का मैदान
(iii) निम्न गंगा का मैदान

* ऊपरी गंगा का मैदान :- यह गंगा के मैदान का ऊपरी भाग है; इस मैदान की उत्तरी सीमा शिवालिक की पहाड़ियाँ, दक्षिणी सीमा प्रायद्वीप पठार तथा

Scanned with CamScanner

पश्चिमी सीमा यमुना नदी निर्धारित करती है।

(ii) मध्य गंगा का मैदान :- यह मैदान उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग तथा बिहार में लगभग 1,43,000 वर्ग km क्षेत्र पर फैला हुआ है, यह मैदान पूर्व पश्चिम दिशा में लगभग 600 km लंबा तथा उत्तर दक्षिण दिशा में 330 km चौड़ा है।

(iii) निम्न गंगा का मैदान :- इस प्रदेश में दार्जिलिंग के उत्तरी पर्वतीय क्षेत्र तथा पश्चिम में स्थित पुरुलिया जिले के अलावा सम्पूर्ण पश्चिम बंगाल सम्मिलित है। इसप्रकार यह मैदान हिमालय की तलहटी से गंगा के डेल्टा तक विस्तृत है।

3. ब्रह्मपुत्र का मैदान :-

- इसे ब्रह्मपुत्र द्रोणी भी कहते है। इसका लगभग समस्त भाग असम में है, अतः इसे 'असम का मैदान' भी कहते है।
- यह तीनों ओर से पर्वतों तथा पहाड़ियों से घिरा है।
- इसके उत्तर में हिमालय की पर्वत श्रृंखलाएँ

4. राजस्थान का मैदान :-

- इसका विस्तार मुख्य रूप से राजस्थान के पश्चिमी भाग में अरावली पहाड़ियों से
- भारत-पाकिस्तान सीमा तक है।

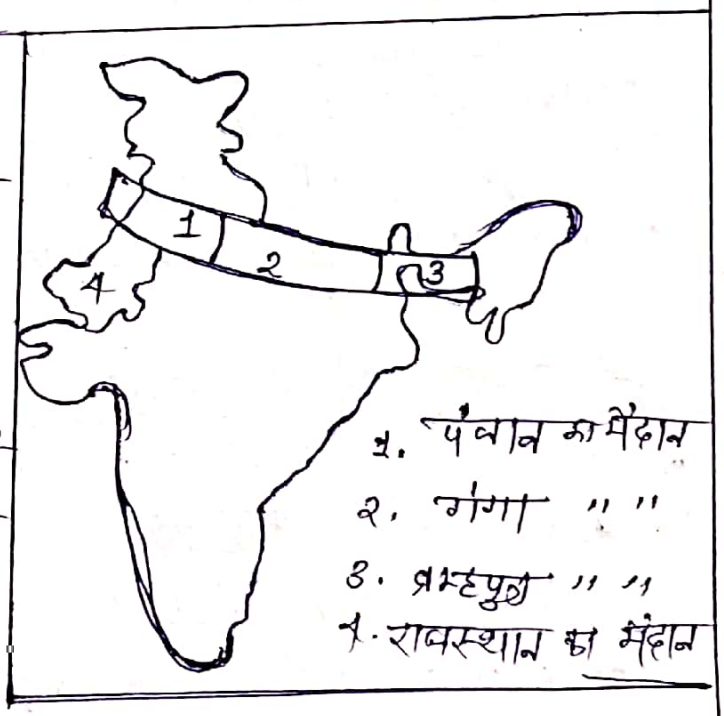

1. पंजाब का मैदान
2. गंगा " "
3. ब्रह्मपुत्र " "
4. राजस्थान का मैदान

Scanned with CamScanner

• मिट्टी की विशेषताओं तथा ढाल के आधार पर इन विविधताओं को निम्न प्रकार में वर्गीकृत करते हैं।

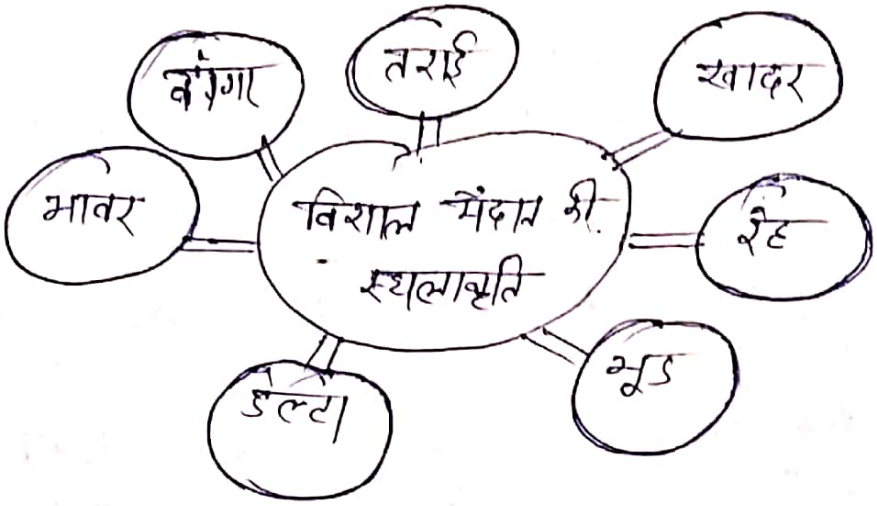

उत्तर विशाल मैदान की 4 मिट्टियाँ

भावर
- → शिवालिक के समानांतर
- → सरिताएँ यहाँ विलुप्त हो जाती हैं।
- → कणों का आकार बड़ा

तराई
- → भावर पट्टी के दक्षिण में फैले हैं।
- → सरिताएँ निकल आती हैं।
- → समतल मैदान
- → दलदली क्षेत्र

बांगर
- → पुरानी जलोढ़ मृदा
- → ये कंकड़ वाली है।
- → कंकड़ कैल्शियम से बने होते हैं।

खादर
- → नई जलोढ़ मृदा
- → अत्यधिक उपजाऊ

(2). हिमालय पर्वत श्रृंखला :-

हिमालय पर्वत समूह भारत के उत्तर में स्थित है, यह पूर्व पश्चिम में विस्तृत है, और पश्चिम में सिंधु नदी के महाखड्ड से पूर्व में ब्रह्मपुत्र नदी के महाखड्ड तक इसकी लंबाई 2400 km है। इसप्रकार इसका फैलाव पूर्व पश्चिम दिशा में 22° देशांतर तक है।

• यह धनुषाकार रूप में फैला हुआ है, और इसका उन्नतोदर मोड़ दक्षिण की ओर है।

हिमालय का भौगोलिक वर्गीकरण

- वृहत्त व आंतरिक हिमालय
- लघु व मध्य हिमालय
- शिवालिक
- ट्रांस व तिब्बत हिमालय
- पूर्वांचल

वास्तव में हिमालय कोई एक पर्वत नहीं, बल्कि एक दूसरे के लगभग समानान्तर रूप में फैली हुई कई पर्वत मालाएँ हैं। चार पर्वत श्रेणियों को विशिष्ट रूप से पहचाना गया है, इनका विवरण निम्न है–

① वृहत व आंतरिक हिमालय :–

- यह सबसे ऊँची दुर्गम श्रेणी है। इसे भारत के प्राचीन ग्रंथो में हिमाद्रि के नाम से पुकारा गया है।
- इसका कारण यह है कि यह सदा हिमाच्छादित रहता है। इसके अन्य नाम महान हिमालय तथा मुख्य हिमालय है।

*प्रमुख चोटियाँ :– कंचनजंगा, मकालू, धौलागिरि, मंसालु नागा पर्वत, अन्नपूर्णा नंदादेवी आदि।

(ii) लघु अथवा मध्य हिमालय :–

- इसे हिमाचल श्रेणी भी कहते हैं, यह वृहत हिमालय के दक्षिण में लगभग उसके समानान्तर पूर्व पश्चिम दिशा में विस्तृत है।
- यह 60–80 Km चौड़ी तथा 3000–4500 m ऊँची श्रृंखला है, इसकी कई चोटियाँ 5000 m तक ऊँची हैं।
- मध्य हिमालय तथा महान हिमालय के बीच कई घाटियाँ पाई जाती हैं, पश्चिम में कश्मीर घाटी स्थित है, जो पीरपंजाल तथा महान हिमालय के बीच है।
- पूर्व में काठमांडु घाटी है, जो नेपाल में स्थित है, हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा तथा कुल्लू घाटियाँ प्रसिद्ध हैं।

(iii) शिवालिक :–

- यह लघु हिमालय के दक्षिण में इसके समानांतर पूर्व-प० दिशा में फैली हुई है।
- यह हिमालय की सबसे नवीनतम श्रेणी है, इसकी चौड़ाई 10–50 Km तथा ऊँचाई 900–1200 m के बीच है।
- इसका विस्तार पंजाब के पैतवार से लेकर कोसी नदी है।

Scanned with CamScanner

• शिवालिक को जम्मू में जम्मू पहाड़ियों तथा अरुणाचल में डाफला मिशमी गिरी और अबोर पहाड़ियों के नाम से जाना जाता है।

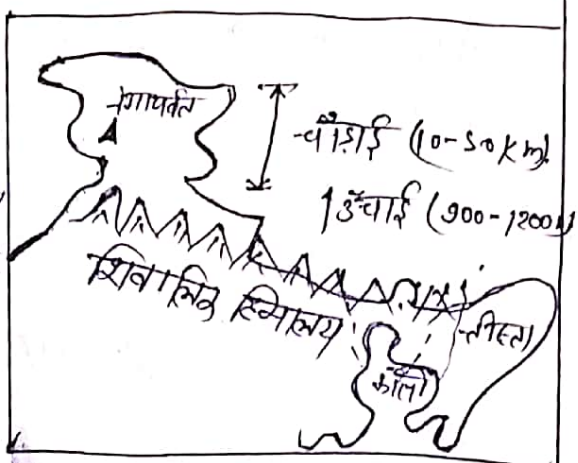

* ट्रांस व तिब्बत हिमालय :-

• ट्रांस हिमालय महान हिमालय के उत्तर में तिब्बत में स्थित है।

• ट्रांस हिमालय में दक्षिण से उत्तर में क्रमशः कैलास, जास्कर, लद्दाख एवं कराकोरम श्रेणियाँ पाई जाती है।

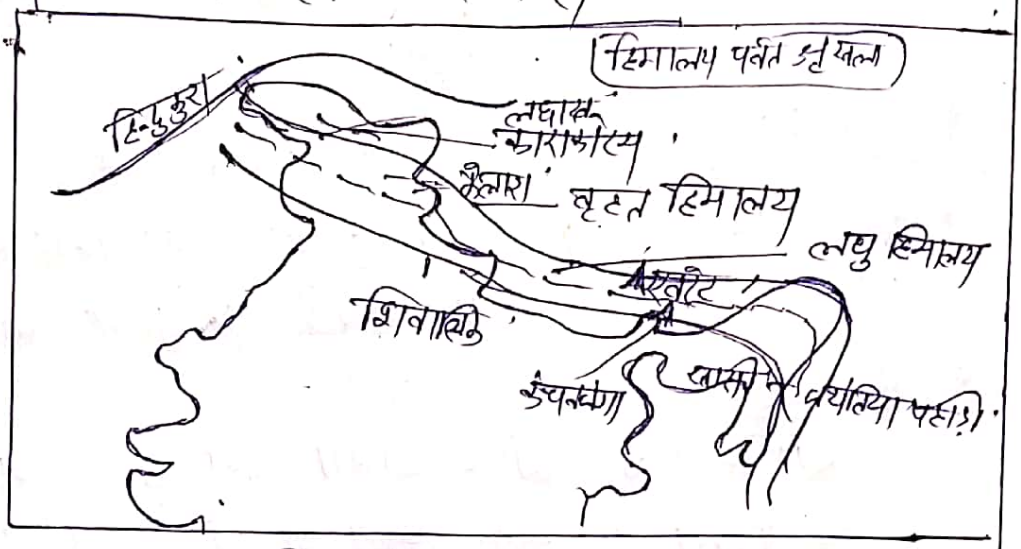

चित्र : हिमालय

• हिमालय का प्रादेशिक विभाजन :-

① पंजाब हिमालय
② कुमाऊँ हिमालय
③ नेपाल हिमालय
④ असम हिमालय

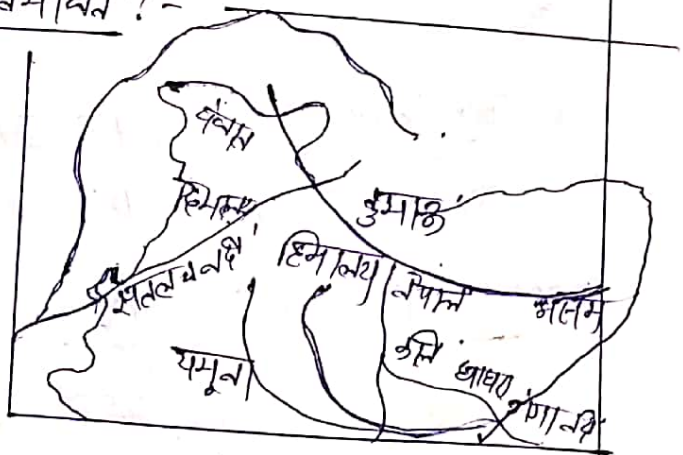

[3.] प्रायद्वीपीय पठार :-

भारत का प्रायद्वीपीय पठार एक अनियमित त्रिभुजाकार आकृति का है, जिसका आधार उत्तर की ओर है और शीर्ष दक्षिण में कन्याकुमारी द्वारा बनाया जाता है।

Scanned with CamScanner